जलवायु

2 दिसंबर 2017

डेढ़ डिग्री। यह संख्या, सामूहिक को उसका नाम देने वाली संख्या होने से परे, एक राजनीतिक-दार्शनिक देहरी है। नीचे रहना तंत्र के आमूल रूपांतरण की माँग करता है। ऊपर जाना अमीरों के लिए प्रबंधित निवृत्ति, बहुसंख्या के लिए विपदा। यह ढाँचा समस्त सभा को आवृत करता है।

> वे कहते हैं इस काम का एकमात्र समाधान ऋणात्मक उत्सर्जन है। सोचिए — यह कहने से अलग नहीं कि जिन्न और परियाँ हमें बचाएँगी।

4-5 -, , - — : , - - — ,

, , - — , , -

, , - -, , 2000 - , — - , , — , 1990 - — / , , ,

-

- : - - COP - - — -, , - — -

> रणनीति में एक खिसकाव होता है: उपभोग-केंद्रित दृष्टिकोणों से, जीवाश्म-ईंधन को ज़मीन के नीचे रोकने के संघर्ष की ओर। माँग-पक्ष से आपूर्ति-पक्ष की ओर। व्यक्तिगत चयनों से, अवसंरचना-व्यवधान-क्रियाओं की ओर। नागरिक अवज्ञा नई भाषा का नाम है।

इस्तांबुल में 136 देशों के 600 जलवायु-कार्यकर्ताओं को एक सप्ताह तक प्रशिक्षित करने वाला अनुभव, आंदोलन-निर्माण कैसा दिखता है इसका उदाहरण देता है। उसके बाद आयोजक और वित्तपोषण 80 से अधिक देशों में फैलते हैं। कोयला-खदान-नाकेबंदी, पेट्रोलियम-अवसंरचना-व्यवधान — आपूर्ति काटना माँग प्रबंधित करने से कहीं अधिक प्रत्यक्ष हस्तक्षेप है। पर्यावरण-न्याय का मानचित्रण करने वाली परियोजनाएँ दृश्य बनाती हैं कि कौन-से समुदाय आर्थिक वृद्धि का पारिस्थितिकीय भार ढोते हैं, संसाधन किसके हैं, कौन लाभ कमाता है, कौन कष्ट सहता है। राजनीतिक-पारिस्थितिकी कार्य-समूह, पर्यावरण-न्याय के वैश्विक एटलस — ये उपकरण हैं जो स्थानीय प्रतिरोध को वैश्विक पैटर्न से जोड़ते हैं।

: 40-50 — , -, - — ? - - - , - , - , — — -, —

? - ? - ? — «» — , -

- : , ,

> वास्तव में संसार की जनसंख्या के बड़े हिस्से की आवश्यकता नहीं। यदि सात अरब में से तीन-साढ़े तीन-चार अरब कल सुबह विलुप्त हो जाएँ, हम में से किसी के जीवन में कुछ नहीं बदलेगा।

, - ? – — - — « » ; , — , ,

: , — 1980- : - -, , , , - -

- , - - ,

, « », -- — : ,

- «» : « » / —

> काइदे तुर्की में बहुत सुंदर बैठने वाला शब्द है। काइदे का अर्थ है आधार भी और नियम भी। नियम को हमने इस तरह परिभाषित किया: मिट्टी नहीं तो कृषि नहीं, कृषि नहीं तो नगर नहीं, नगर नहीं तो संस्कृति नहीं।

«» — , 50×150×50 - — , , , , — , -

आशी () प्रदर्शनी फरात और दजला पर बने बाँधों का अध्ययन करती है — कलम लगाने के रूपक का प्रयोग पारिस्थितिकीय और राजनीतिक रूपांतरण को जोड़ने के लिए। नदी पर दीवार बनाने का अधिकार हमें कौन देता है? यह प्रश्न तकनीकी प्रश्न नहीं, सत्ता-शास्त्रीय प्रश्न है। हेपबहार परियोजना बीज-निद्रा का अनुसंधान करती है — ग्रीनहाउस में कृत्रिम प्रकाश-स्पेक्ट्रम से जबरन उत्पादन की, प्राकृतिक चक्रों में हस्तक्षेप की सीमाओं पर प्रश्न उठाती है। प्रौद्योगिकी हमें बहुत लुभाती है: हम कुछ बदल सकते हैं, प्रकृति के सामने सुंदर बाँध रख सकते हैं — वाह, मैंने क्या किया! किंतु यह मोह वर्चस्व का एक रूप है।

- : « , , , » , — - -

— 7 70 - - - — «» ,

> बिना गला रुँधे, बिना गरिमे-डगमगाने की अवस्थाओं से गुज़रे मैं संग्रहालय में नहीं घूम सकती। वहाँ घूम ही नहीं सकती। क्योंकि वहाँ केवल मृत हैं।

-- , , — , --, — -

, -, -- — - - 2009 + , - —

— - : - ? - ? , - , - — ,

,

— «», «», «», «» — «» ; « , , » «» - — , , —

: , , - - — -, , - ; - — — ,

> देरसीम के अलेवियों का मिट्टी, पर्वत, जल के साथ हज़िरि के माध्यम से बनाया गया संबंध संरक्षण की भाषा से पकड़ में नहीं आता — किंतु एक सूक्ष्म पारिस्थितिकीय ज्ञान को कोड करता है। धर्मनिरपेक्ष पर्यावरणवाद ने जिसे पवित्र आयाम को दबाया, वह ठीक यहाँ उघड़ता है।

, : , , - - / — , , - , -

: , - — , , -

, , — , , , -- ,

सभा का संभवतः सबसे अप्रत्याशित परिणाम मैत्री की राजनीतिक रूप के रूप में पुनः-खोज है। इवान इलिच की की संकल्पना — दूसरे के प्रति प्रेम/मैत्री, अमानव दूसरों तक फैली संबंधीयता — चर्चा के केंद्र में बैठती है।

> हमने इस विषय को इतना यांत्रिक बना दिया, इतने वैज्ञानिक, यांत्रिक, अकादमिक, यहाँ तक कि व्यावसायिक बिंदु पर ले गए... मुझे लगता है कि हम किसी चीज़ से कट गए हैं।

- - — , — -, -, - 2009-2013 , , ; — ,

- : , -, - , - - --- - —

किंतु बिगड़े प्रेम की भी बात करनी चाहिए। बहुत समान, बहुत अच्छी तरह से मिलने वाले के लिए अति-प्रेम — राष्ट्रवाद, धार्मिक सांप्रदायिकता, परिवार का बहिष्करण — दूसरा उत्पन्न करता है। वास्तविक तो भिन्नता के प्रति प्रेम है: दूसरे से मिलने में रूपांतरित होने की क्षमता, सीमाओं के पार मैत्री।

येदिकुले बोस्तानों की रक्षा का संघर्ष परिचय के माध्यम से सफल होता है — औपचारिक सदस्यता नहीं, आमने-सामने पहचान। व्यावसायिक/संस्थागत तर्क भंगुरता उत्पन्न करता है; मैत्री-आधारित जाल अधिक टिकाऊ हैं। हार्ड्ट और नेग्री का चिंतन, इलिच की संकल्पना, बाइबल की भले सामरी की कथा — सब एक ही बिंदु पर अभिसरित होते हैं: नैतिक संबंधीयता वास्तविक पारिस्थितिकीय राजनीति की पूर्व-शर्त है।

> भले सामरी की कथा स्मरण की जाती है: अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्रेम करो — एक आज्ञा के रूप में नहीं, भिन्नता के बीच साझा मानवता/भंगुरता को पहचानने के निमंत्रण के रूप में।

- , - , 1.5 , - - , - -

: — — , —

— «», , - — — , , — , - — , , - - , - , — ,

यह सभा स्वयं व्यावसायीकरण के युग के बाद जैविक, मैत्री-आधारित बौद्धिक अभ्यास के पुनर्निर्माण का प्रयास है। यह दिखाती है कि उत्तर-नवउदारवादी बौद्धिक जीवन कैसा दिख सकता है: वास्तविक संबंधों पर आधारित, विधा-सीमाओं को पार करता, मूर्त संघर्ष में जड़ें जमाए, निराशावाद और मूलभूत प्रश्नों से न डरता। इस सभा-शृंखला के माध्यम से ठीक यही करता है — जलवायु-वैज्ञानिक, पर्यावरण-कार्यकर्ता, वृत्तचित्र-निर्माता, वास्तुकार-क्यूरेटर, संग्रहालयकर्मी एक ही मेज़ पर, एक ही प्रश्न के साथ: हम भिन्न ढंग से कैसे कर सकते हैं?

: - , , , - — ,

और सबसे महत्वपूर्ण: बातचीत हल नहीं करती, गहराती है। प्रतिभागी अगले क़दमों के बारे में निश्चित नहीं हैं — किंतु क्या दाँव पर है इसके प्रति अधिक सचेत हैं। डेढ़ डिग्री लक्ष्य अति-आवश्यकता उत्पन्न करता है, किंतु भय-तर्क को पुनः उत्पन्न नहीं करता। मैत्री और पर ज़ोर समर्पित निंदकता और बलात आशावाद दोनों का विकल्प प्रस्तुत करता है। यह बौद्धिक ईमानदारी है, और राजनीतिक अनिवार्यता।